विज्ञान और नई तकनीक से हर समस्या का समाधान : अरिमर्दन

विज्ञान महोत्सव का दूसरा दिन, विशेषज्ञों ने दिए टिप्स

सिटी रिपोर्टर | रांची

अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव आत्मनिर्भर भारत व वैश्विक कल्याण के लिए विज्ञान विषय पर गुरुवार को दूसरे दिन वेबिनार में परिचर्चा हुई। पत्र सूचना कार्यालय व रीजनल आउटरीच ब्यूरो, रांची और फील्ड आउटरीच ब्यूरो, दुमका व सीएसआईआर-सीएमईआरआई दुर्गापुर की ओर से परिचर्चा में शिक्षा, विज्ञान और अनुसंधान क्षेत्र से जुड़े प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया। विशेषज्ञों का कहना था कि भारत का विज्ञान के हर क्षेत्र में प्राचीन व वैदिक काल से ही बड़ा योगदान रहा है। विज्ञान और तकनीक से मानव समाज की सभी चुनौतियों का समाधान संभव है। परिचर्चा में अपर महानिदेशक, पीआईबी-आरओबी रांची अरिमर्दन सिंह ने कहा कि भारत ने हमेशा वसुधैव कुटुंबकम पर विश्वास किया है। देश का हमेशा यह उद्देश्य रहा है कि कोई भी आविष्कार हो, वह देश और काल की सीमा से परे हो। सीएसआईआर-सीएमईआरआई, दुर्गापुर के निदेशक प्रो.(डॉ) हरीश हिरानी ने कहा कि विज्ञान और तकनीक के समुचित अनुप्रयोग से मानव समाज और संपूर्ण विश्व के समक्ष उपस्थित चुनौतियों के समाधान संभव है। मौके पर [illegible] डॉ. एस [illegible] रजा, शाहिद रहमान, ओंकारनाथ पांडेय, महविश रहमान सहित कई छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

Dainik Bhaskar, Ranchi